तबला एवं पखावज (मृदंग)

तीनताल

तीनताल तबले का प्रचलित ताल है। इस ताल में स्वतंत्रवादन, गायन, तंत्र वाद्य, नृत्य आदि संगीत की सभी विद्याओं का सौन्दर्य देखने में बनता है।

मात्रा-16, विभाग-4, खाली 9 पर तथा ताली 1, 5, 13 पर होता है। तीनताल का ठेका-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
ना	धिं	धि	ना	ना	धिं	धिं	ना	ना	तिं	तिं	ना	ना	धिं	धि	ना
x				2				0				3			

दादरा

दादरा ताल होने के साथ-साथ एक प्रकार की गायकी का भी नाम है, लेकिन इसमें भी दादरा ताल का ही प्रयोग होता है। उत्तर भारत में दादरा ताल की सुगंध गाँव के गली-गली में लोक संगीत, भाव संगीत, भजन, फिल्म संगीत आदि के माध्यम से फैली हुई है। तबला, नाल, ढोलक आदि वाद्य-यंत्रों पर इसकी सुन्दरता देखते ही बनती है। इसकी लग्गी और लड़ियाँ हृदय को छूती है। इसमें मात्रा-06, विभाग-2, ताली-1 पर और खाली 4 पर दादरा ताल का ठेका.....हैं।

1	2	3	4	5	6
धा	धि	ना	धा	ति	ना
x					

कहरवा

दादरा की तरह कहरवा ताल भी तबला, नाल, ढोलक आदि पर लोकगीत, भावगीत, फिल्म संगीत, गजल आदि के साथ संगत करने की ताल है। इसकी प्रकृति चंचल है। इसमें लग्गी, लड़ी तथा ठेका की किस्में आदि का प्रयोग किया जाता है।

मात्रा-8, विभाग-2, ताली-1 पर तथा खाली 5 पर।

ठेका-

1	2	3	4	5	6	7	8
धा	गे	न	ति	न	क	धि	न
x				0			

चारताल

चारताल पखावज (मृदंग) पर बजाने की ताल है। ध्रुपद अंग की गायकी के साथ चारताल का प्रयोग होता है। इस ताल में स्वतंत्र वादन भी किया जाता है। टुकड़ा, परन, रेला आदि का प्रयोग इसकी विशेषता है। इसमें चार तालियाँ पड़ने के फलस्वरूप इसका नाम चारताल पड़ा।

मात्रा- 12, विभाग-6, ताली 1, 5, 9, 11 पर तथा खाली 3, 7 पर।

ठेका–

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तेटे	कत	गदि	गन
X		0		2		0		3		4	

सूलताल या सूल फाकताल

सूलताल पखावज का ताल हैं। ध्रुपद अंग की गायकी के साथ संगत करने के अलावा इसमें स्वतंत्र वादन भी किया जाता है। इसमें परन, टुकड़ा, रेला आदि बजाया जाता है।

मात्रा-10, विभाग-5, ताली 1, 5, 7 पर तथा खाली 3, 9 पर।

ठेका

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	तेटे	कत	गदि	गन
X		0		2		3		0	

प्रश्न और अभ्यास :

1. तीनताल एवं दादरा ताल के ठेके को भात-खण्डे ताल लिपि पद्धति में लिखें।
2. कहरवा, चारताल और सूलताल के ठेके को उत्तर भारतीय संगीत पद्धति में लिखें।
3. तीन-ताल में कितनी मात्रायें होती हैं।
   (क) 16 (ख) 2 (ग) 10 (घ) 8
4. झपताल में ताली की संख्या कितनी है।
   (क) 4 (ख) 5 (ग) 2 (घ) 3
5. चारताल में कितने विभाग होते हैं।
   (क) 3 (ख) 4 (ग) 2 (घ) 5